

शि नागानामाक्रन्दः श्रूयते महान् R. 3, 76, 31. *Kampfgeschrei*: पुथ्यते य-
स्यामाक्रन्दो यस्य वदति डुन्दुभिः AV. 12, 1, 41. *Wehgeschrei, Wehklage*
MBh. 1, 1513, 7756. आक्रन्द उद्भूतत्र KATHÁS. 10, 94. दहनाक्रन्दौ
समं तत्रोदतिष्ठताम् 16, 15. वणिजामाक्रन्दैः 25, 45. आक्रन्दशब्द R. 2, 65,
21. PĀṆKĀT. 237, 14. तुमुलाक्रन्द R. 2, 65, 27. KATHÁS. 13, 60, 26, 109. अ-
नाक्रन्द adj. f. आ *nicht wehklagend* MBh. 1, 6568, 13859. किं क्रन्दसि
डुराक्रन्द PĀṆKĀT. IV, 31. Nach den ind. Lexicographen: a) आरावे AK. 3,
4, 93. — b) रुदिते AK. सारावरुदिते H. an. 3, 327. क्रन्दने MED. d. 21. —
c) क्लान्ते MED. — d) संग्रामे NAIĢH. 2, 17. H. 799. दारुणे राणे AK. H. an.
(st. दारुणरमे zu lesen ०णरणे). दारुणपुद्गे MED. — Eine Stelle im MANU
(7, 207) hat Veranlassung gegeben, noch andere Bedeutungen aufzustellen.
Hier heisst es: पार्लिग्राहं च संप्रेक्ष्य तथाक्रन्दं च मण्डले । मित्रादवा-
प्यमित्राद्वा यात्रापलमवाप्नुयान् ॥ आक्रन्दो मण्डले bedeutet hier allem
Anschein nach nichts Anderes als *Wehgeschrei, ein Jammer daheim*. KULL.
erklärt: विजिगीषोररिं प्रति निर्यातस्य यः पृष्ठवर्ती नृपतिर्देशाक्रमणाय्या-
चरति स पार्लिग्राहः । तस्य तथा कुर्वतो यो नियामकः तस्यानन्तरो नृपतिः
स आक्रन्दः । In näherm oder entfernterm Zusammenhange mit dieser
Stelle stehen folgende Bedeutungen der Lexicographen: त्रातर Erretter
AK. नृप H. an. धातर (ein verlesenes त्रातर?) und मित्र MED. नाथ ne-
ben पार्लिग्राहात्परो राजा DHAR. im ÇKDR.

आक्रन्दन (wie eben) n. *das Wehklagen* PĀṆKĀT. 143, 25.

आक्रन्दक oder आक्रन्दिक adj. = आक्रन्दं धावति *der sich an den
Ort des Geschreis verfigt* P. 4, 4, 38.

आक्रन्दन् (von क्रन्द् mit आ) adj. *in klagendem Tone anrufend*: पर-
स्परक्रन्दिनि चक्रवाकयोः — मिथुने KUMĀRAS. 5, 26.

आक्रमं (von क्रम् mit आ) m. *Anschritt, Aufstieg, Angriff* H. 1311. VS.
13, 9. केनाक्रमेण यजमानः स्वर्गं लोकमाक्रमते ÇAT. BR. 14, 6, 1, 7, 1, 10
= BRH. ĀR. UP. 3, 1, 6, 4, 3, 9, 4, 3. डुराक्रम *schwer anzugreifen* R. 1,
23, 16. आयल = आक्रम MED. h. 13.

आक्रमण (wie eben) 1) adj. *heranschreitend, beschreitend* VS. 25, 3, 6.
— 2) n. *das Beschreiten, Auftreten, Aufsteigen, Aufstieg*: श्रोत्रहणमा-
क्रमणं जीवतो जीवतो ऽयं नम AV. 5, 30, 7. वेदं तन्ति अमर्त्यं यते आक्रमणं
दिवि 13, 1, 43. आक्रमणमेव तत्सुते यजमानाः कुर्वते सुवर्गस्य लोकस्य स-
मष्टौ TS. 7, 3, 8, 5. NIR. 6, 17. कण्टकाक्रमणलाता R. 2, 42, 19. देवलोका-
क्रमण 31, 5. देशाक्रमण *das (feindliche) Betreten des Landes* KULL. zu
M. 7, 207. mit dem subj. compon.: प्रतापाक्रमण *das Steigen der Macht*
KATHÁS. 18, 46. आयल = आक्रमण H. an. 3, 762.

आक्रमणीय (wie eben) adj. *zu besteigen*: अस्माभिरपि — इन्मासनमना-
क्रमणीयम् PRAB. 23, 12.

आक्रम्य (wie eben) adj. dass.: विद्याधैरनाक्रम्यो महागिरिः VID. 167.

आक्रम्यं (von क्री mit आ) m. *Krämer, Schacherer* VS. 30, 5.

आक्रान्ति (von क्रम् mit आ) f. *das Aufsteigen, Emporkommen, Betre-
tung, Besteigung*: भाविततनयाक्रान्ति KATHÁS. 22, 7. पाद्माक्रान्तिसंभावि-
तपादपीठम् KUMĀRAS. 3, 11.

आक्रान्ति (von क्रीत् mit आ) 1) m. *Spiel, Scherz*: आक्रान्तिभूमिं देवानां ग-
न्धर्वाप्सरसां तथा MBh. 1, 4649. आक्रान्तिभूमिः KUMĀRAS. 2, 43. — 2) m. n.
Spielplatz, Lusthain, Garten AK. 2, 4, 1, 3 (m. ein königlicher öffentli-
cher Garten). H. 1112 (m., nach den Sch. m. n.). MBh. 3, 14358, 14866.

R. 3, 61, 7. 4, 40, 36. m. MBh. 3, 11370, 14867. R. 5, 9, 10. 6, 73, 38. n.
MBh. 3, 10823. — 3) m. n. pr. ein Sohn Karutthāma's HARIV. 1835.

आक्रान्तिन् (wie eben) adj. P. 3, 2, 142.

आक्रान्ति (von क्रम् mit आ) m. 1) *das Anrufen, Erfüllen einer Gegend
mit seinem Geschrei*: तस्यास्यात् प्रवृत्तेन रुधिरायेन तद्विलम् । पूर्णामासी-
दुराक्रान्तिं स्तनतस्तस्य भूतले ॥ R. 4, 9, 19. — 2) *Anfahung, Schmähung,
Beschimpfung, Tadel* H. 272. NIR. 4, 2. P. 6, 2, 158. तत्र तान्तराणा यः
स्यादाक्रान्तिशो मैथुनं प्रति AK. 1, 1, 5, 15. आक्रान्तिं मम (subj.) मातुश्च प्रमार्श
R. 2, 106, 28. तस्य (obj.) — आक्रान्तिशक्तिं लोके धिक्ते चारित्रीमृशम् R. 3, 59, 9. सुग्रीवाक्रान्ति
4, 30 in der Unterschr. अर्थाक्रान्ति JĀGŪ. 2, 232. — 3) N. pr. eines Für-
sten MBh. 2, 1188. Z. f. d. K. d. M. 3, 183, 190.

आक्रान्तिन (wie eben) n. *das Anfahen, Schmähnen* AK. 3, 3, 6.

आक्रान्तिर (wie eben) nom. ag. *Schmäher*: आक्रान्तिमानो नाक्रान्तिन्-
न्युरेव तितिततः । आक्रान्तिर निर्दहति सुकृतं चास्य विन्दति ॥ MBh. 1,
3557.

आक्रान्ति indecl. wird mit अम्, करु und भू zusammenges. gaṇa उर्जादि
zu P. 4, 4, 61. — Vgl. विक्लिती.

आक्रान्तिदं nom. act. von क्रान्तिदं mit आ Vop. 12, 1.

आक्रान्तिवर्ति (von अक्रान्तिवृत्त) adj. *durch das Würfelspiel entstanden* P.
4, 4, 19. वैरम् Sch.

आक्रान्तिवर्ति m. = अक्रान्तिवर्ति GĀṬĀDH. im ÇKDR.

आक्रान्तिवर्ति m. *ein Anhänger der Njāja - Lehre* H. 862. BUṀRĪP. im
ÇKDR. — Von dem PRAB. 21, 1 erwähnten N. pr. अक्रान्तिवर्ति; Sch. 1: अक्र-
पदमते कणादशास्त्रम्, Sch. 2: अक्रान्तिवर्ति: शैवप्राप्तमूलग्रन्थकृत
आक्रान्तिवर्ति (von अक्र + भार) adj. in der Bed. von तद्धरति वक्त्याव-
कृति gaṇa वंशादि zu P. 5, 1, 50.

आक्रान्तिवर्ति (von क्रान्ति im caus. mit आ) f. *eine mit Bezug auf den Bei-
schlaf ausgestossene Schmähung* AK. 1, 1, 5, 15. H. 272, Sch.

आक्रान्तिवर्ति (von अक्र) 1) adj. a) = अक्रान्तिवर्ति, जयति oder जितम् P. 4,
4, 2, Sch. आक्रान्तिवर्तिवर्ति *eine durch Würfelspiel entstandene Schuld* M. 8,
159. आक्रान्तिवर्ति *Einsatz beim Würfelspiel* WILS. — b) = भारभूतानन्तान्तर-
ति वक्त्यावकृति gaṇa वंशादि zu P. 5, 1, 50. — 2) m. *Morinda tinctoria*,
ein kleiner Baum, RATNAM. im ÇKDR. SUÇR. 1, 190, 3. Vgl. अक्रान्ति, अक्रान्तिवर्ति,
1. अक्रान्ति am Ende, अक्रान्तिवर्ति.

आक्रान्तिवर्ति (von क्रान्ति mit आ) adj. *sich aufhaltend, wohnend* RV. 3, 53, 5.
— Vgl. अक्रान्तिवर्ति.

आक्रान्तिवर्ति (von अक्रान्ति, part. praet. pass. von क्रान्ति mit आ) f. *ein
Gesang, der von einer sich der Bühne erst nähernden Person gesungen
wird*, VIKR. 51, 3, 34, 3. Er hat seinen Namen wohl von der bei dieser
Gelegenheit mit dem Vorhange vorgenommenen eigenthümlichen Be-
wegung (आक्रान्तिवर्ति).

आक्रान्तिवर्ति m. = अक्रान्तिवर्ति RĀJAM. zu AK. 2, 4, 1, 11. ÇKDR.

आक्रान्तिवर्ति (von क्रान्ति mit आ) m. 1) *Anschreissung, Ansichtziehung, Zuk-
kung* TRĪK. 3, 3, 274. H. an. 3, 439. MED. p. 15. तदाक्रान्तिवर्तिवर्ति मुकुर्मुकुर्देहं
मुकुर्मुकुर्देहं । मुकुर्मुकुर्देहं तदाक्रान्तिवर्तिवर्ति इति स्मृतः SUÇR. 1, 234, 2. वदनं त-
त्करुत्तयेम् KUMĀRAS. 7, 95. — 2) *Andeutung*: मुख्यार्थस्वेतरन्तिवर्ति: *the pri-
mary meaning's hinting something else* (BALLANTYNE) ŚĀH. D. 11, 20.